राधा श्रीधर
अकादेमी पुरस्कारः भरतनाट्यम

RADHA SRIDHAR
Akademi Award: Bharatanatyam

Born on 9 February 1938 at Tumkur in Karnataka, Shrimati Radha Sridhar received her training in Bharatanatyam under several gurus including Shri H.R. Keshava Murthy, Shri U.S. Krishna Rao, Shrimati Chandrabhaga Devi, and Shri Muttiah Pillai. She has also received training in Abhinaya under Venkatalahshamma, and studied Carnatic music under gurus Pallavi Chandrasingh, B.G. Krishnamurthy and G. Chennamma.

Shrimati Radha Sridhar has performed and conducted workshops at prestigious platforms within the country and abroad. She established her institution, Venkatesha Natya Mandira in 1969 at Bangalore and imparted training in Bharatanatyam to numerous young dancers. Many of her students have distinguished themselves in the field. Shrimati Sridhar has choreographed enormous number of traditional dance items and dance-dramas including *Ramayana*, *Navavidha Bhakti*, *Geetha Govinda* and *Srinivasa Kalyana*. She has presented her dance productions at prestigious festivals within the country and abroad including U.A.E., U.S.A. and U.K.

Shrimati Radha Sridhar has received several honours and awards such as Karnataka Kalathilaka conferred by Sangeetha Nruthya Academy (1993); and Kannada Rajotsava (1995), and Shanthala Natya Prashasti (2012) by the Government of Karnataka.

Shrimati Radha Sridhar receives the Sangeet Natak Akademi Award for the year 2018 for her contribution to Bharatanatyam.

SANGEET NATAK AKADEMI AWARDS
संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार
2018

कर्नाटक के तुमकुर में 9 फरवरी 1938 को जन्मी श्रीमती राधा श्रीधर ने भरतनाट्यम में श्री एच. आर. केशव मूर्ति, श्री यू. एस. कृष्ण राव, श्रीमती चंद्रभागा देवी और श्री मुथैया पिल्लई सहित कई गुरुओं के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण प्राप्त किया। आपने वेंकटलाशम्मा के अधीन अभिनय में भी प्रशिक्षण प्राप्त किया है, और गुरु पल्लवी चंद्रसिंह, बी. जी. कृष्णमूर्ति और जी. चेन्नम्मा के सानिध्य में कर्नाटक संगीत का अध्ययन भी किया है।

श्रीमती राधा श्रीधर ने देश-विदेश के प्रतिष्ठित मंचों पर न केवल अपनी प्रस्तुतियाँ दी हैं बल्कि कार्यशालाओं का संचालन भी किया है। आपने सन् 1969 में बैंगलोर में अपनी संस्था वेंकटेश नाट्य मंदिर की स्थापना की थी और तब से युवा नर्तकियों को भरतनाट्यम का प्रशिक्षण देती आ रही हैं। आपके कई छात्रों ने भरतनाट्यम के क्षेत्र में स्वयं को प्रतिष्ठित भी किया है। श्रीमती श्रीधर ने रामायण, नवविधा भक्ति, गीत गोविंद और श्रीनिवास कल्याण सहित कई पारम्परिक नृत्य प्रस्तुतियों और नृत्य-नाटकों को कोरियोग्राफ किया है। आपने यूएई, अमेरिका और इंग्लैंड सहित देश-विदेश में आयोजित प्रतिष्ठित नृत्य समारोहों में अपनी नृत्य प्रस्तुतियाँ दी है।

श्रीमती राधा श्रीधर को कई सम्मान और पुरस्कार प्राप्त हुए हैं जिनमें संगीत नृत्य अकादमी द्वारा प्रदत्त कर्नाटक कलातिलक (1993), और कर्नाटक सरकार द्वारा कन्नड़ राजोत्सव (1995) और शांतला नाट्य प्रशस्ति (2012) प्रमुख हैं।

भरतनाट्यम के क्षेत्र में योगदान के लिए श्रीमती राधा श्रीधर को वर्ष 2018 के संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।

SANGEET NATAK AKADEMI AWARDS
संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार
2018